M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

05413

Term-End Examination

December, 2010

MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : (i) *Attempt* ***all*** *the* ***five*** *questions.*
(ii) *All questions carry* ***equal*** *marks.*
(iii) *Answers to questions nos.* ***1*** *and* ***2*** *should not exceed* ***800*** *words each.*

1. What do you understand by voluntarism ? Explain Talcott Parsons' Voluntaristic Theory of Action. **20**

OR

Discuss the main sources of financial support to Voluntary sector. **20**

2. Describe the problems faced by Voluntary Organisations in rural areas. **20**

OR

Explain the contribution made by 'Hind Swaraj Trust' to the development of Village Ralegan Siddhi. **20**

3. Answer *any two* of the following in about 400 words each :

(i) Describe, in brief, the important development activities undertaken by Voluntary Organisations in regard to rural development. 10

(ii) Discuss the significance of professionalism and core-competency, in the context of Voluntary Organisations. 10

(iii) Describe the basic features of 'Millennium Development Goals' (MDGs) adopted by United Nations. 10

4. Answer *any four* of the following in about 200 words each :

(i) Essential features of the 'Modern State'. 5

(ii) Main characteristics of Non-Profit Organisations. 5

(iii) Grants-in-aid to Voluntary Organisations. 5

(iv) Roles and Functions of Panchayati Raj Institutions and VOs in regard to rural development. 5

(v) Contribution of Tarun Bharat Sangh (TBS) to watershed development. 5

(vi) Relationship between United Nations and NGOs. 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about 100 words each : 20

(i) Renaissance 4

(ii) Magna Carta 4

(iii) Mutual Benefit Organisations 4

(iv) Service Organisations 4

(v) Moral values of Religious Philanthropy in India 4

(vi) 'SEWA' Bank 4

(vii) Traditional Associations 4

(viii) Supermarketisation 4

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2010

एम.आर.डी.ई.-002 : ग्राम विकास में स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक :* 100

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के ***अंक*** *समान हैं।*

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

---

1. स्वैच्छिकवाद से आप क्या समझते हैं? टालकॉट पार्सन्स के क्रिया के स्वैच्छिकवादी सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

स्वैच्छिक क्षेत्र के वित्तीय सहायता के मुख्य स्रोतों की चर्चा कीजिए। 20

2. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वैच्छिक संगठनों के समक्ष आनेवाली समस्याओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

रालेगां सिद्धी गांव के विकास में हिन्द स्वराज ट्रस्ट द्वारा किए गए योगदान की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में) दीजिए :

(i) ग्राम विकास के संबंध में स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण विकास कार्यकलापों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 10

(ii) स्वैच्छिक संगठनों के संदर्भ में व्यावसायिकता और मूलभूत सक्षमता के महत्व की चर्चा कीजिए। 10

(iii) संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अपनाए गए सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों (एम.डी.जी.ज) की मूल विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) दीजिए :

(i) 'आधुनिक राज्य' की अनिवार्य विशेषताएं 5

(ii) लाभ-निरपेक्ष संगठनों की मुख्य विशेषताएं 5

(iii) स्वैच्छिक संगठनों की अनुदान सहायता 5

(iv) ग्राम विकास के संबंध में पंचायती राज संस्थाओं और बीओज की भूमिका और कार्य 5

(v) वाटरशेड विकास में तरूण भारत संघ (टी.बी.एस) का योगदान 5

(vi) संयुक्त राष्ट्र संघ और एन.जी. ओज के बीच संबंध 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए :

(i) पुनर्जागरण 4

(ii) महाधिकार पत्र (Magna Carta) 4

(iii) परस्पर लाभकारी संगठन 4

(iv) सेवा संगठन (Service Organisations) 4

(v) भारत में धार्मिक परोपकार के नैतिक मूल्य 4

(vi) 'सेवा' बैंक 4

(vii) पारंपरिक संघ 4

(viii) सुपरबाजारीकरण 4